कृपया अपनी बाईबल के हर एक वचन को ध्यान से और पूरी तरह से पढ़ें।

ज्यादातर वचन अंग्रेजी की किंग्स जेम्स वर्शन की बाईबल से लिए गए हैं।

पुराने नियम का महत्त्व क्या है? (What is the Importance of the Old Testament?)

आज हम पुराने नियम के विषय और बाइबल में इसके **महत्व** और इसके **उद्देश्य** के बारे में पढ़ेंगे –

बाइबल के 3/4 हिस्से पुराने नियम में शामिल हैं और सब मिलाकर **39** किताबें हैं।

तेरा वचन सत्य है 🕮 तेरा वचन सत्य है 🕮 तेरा वचन सत्य है

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

☞ **<u>कई लोग आज</u>** पुराने नियम **<u>को ज्यादा महत्व नहीं देते</u>।**

वास्तव में बाइबिल सोसायटी ही पुराने नियम को छोड़कर **केवल** नए नियम की बाइबल को छापती है।

☞ **<u>पुराने नियम से केवल भजन-संहिता</u>** और नीतिवचन की **<u>पुस्तक</u>** और शायद से सभोपदेशक की पुस्तक को पढ़ा जाता है, जबकि बाकी सभी पुस्तकों को आम तौर पर नजर अंदाज कर दिया जाता है।

☞ **<u>कई लोगों का मानना है की पुराना नियम पहले घटी इतिहास</u>** की घटनाओं का वर्णन है!

- इसराइल और उसके अनुभवों के बारे में 'युद्ध, व्यक्तियों, उनके शब्द, और मिस्र से कनान के लिए इसराइल के राष्ट्र की यात्रा का महान विवरण और **उसके** बाद भी

☞ **लेकिन यह सब क्यों दर्ज कीया गया है?**

क्या यह केवल एक **पुराना इतिहास** है? - क्या यह केवल **बाइबल सम्बन्धी इतिहास** है?

☞ क्या यह हजारों साल **पहले** हो चुकी चीजों का केवल का एक विस्तृत ब्यौरा है?

☞ इसका **उद्देश्य** क्या है?

आज के मसीहियों यानि हमारे लिए पुराना नियम कैसे महत्वपूर्ण है?

तेरा वचन सत्य है 🕮 तेरा वचन सत्य है 🕮 तेरा वचन सत्य है

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: <u>thekingdomgospel2874@gmail.com</u>
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

आइये अब हम **कारणों** को देखना शुरू करते हैं -

 # पहला कारण

इब्रानियों (Hebrews) 10:1 “क्योंकि व्यवस्था, जिसमें आनेवाली अच्छी वस्तुओं का प्रतिबिम्ब है पर उनका असली स्वरूप नहीं...।”

इसका मतलब क्या है?

"प्रतिबिम्ब" का मतलब क्या है?

"आनेवाली अच्छी वस्तुओं" से क्या मतलब है?

यहाँ प्रेरित पौलुस मूसा की व्यवस्था के बारे में बात कर रहे हैं जो की "आनेवाली अच्छी वस्तुओं" का "प्रतिबिम्ब" है

- **कब**? -

जी हाँ! यीशु **के बाद**!

परमेश्वर के पास एक बहुत ही निश्चित योजना है जैसा की हम सब जानते है!

लेकिन, पृथ्वी पर यीशु के आगमन से पहले **यह योजना न तो स्पष्ट थी और न ही इसे समझा जा सका था**।

"आनेवाली अच्छी वस्तुओं" मानवजाति को पाप और मृत्यु की पकड़ से **उद्धार देने के लिए परमेश्वर की योजना** को दर्शाती हैं, जो की कलवरी के क्रूस पर किये गए यीशु के **छुटकारे** के कार्य पर केंद्रित है!!

इसलिए इस **दिव्य योजना** को जिसे उनके पुत्र यीशु के आने के बाद पूरा होना है **(गलातियों (Galatians) 4:4)**, को यीशु के आने से पहले की अवधि में "प्रतिबिम्ब" के रूप में दिखाया गया था।

यह "प्रतिबिम्ब" घर बनाने से पहले, वो बनने के बाद कैसा दिखेगा, को दिखाने के लिए, आज के **आर्किटेक्ट (भवन निर्माता)** के द्वारा बनाए गए एक **"मॉडल"** की तरह है!!

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

बाइबल संबधी भाषा में इनको **-छाया (TYPES)** कहा जाता है जिसे ग्रीक शब्द -**"टुपोस" (TUPOS)** से लिया गया है और उनकी पूर्ति को **"असलियत" (ANTITYPES)** कहा जाता है।

पुराना नियम छाया और असलियत (TYPES and ANTITYPES) से पूरा भरा हुआ है।

इसलिए यहाँ **इब्रानियों (Hebrews) 10:1** वचन में प्रेरित पौलुस यह कहते हैं की - प्रायश्चित के दिन का बलिदान जिसे इस्राएली प्रतिवर्ष चढ़ाते थे, वे आनेवाले पापों के **असली प्रायश्चित के कार्यों** के लिए केवल **छाया** या "प्रतिबिम्ब" ही थे, जिसे यीशु के माध्यम से पूरा किया जाएगा क्योंकि "बैलों और बकरों का लहू" **पापों को नहीं धो सकता**, जैसा की हम **इब्रानियों (Hebrews) 10:4** वचन में पढ़ते हैं -

इब्रानियों (Hebrews) 10:4 "क्योंकि यह अनहोना है कि बैलों और बकरों का लहू पापों को दूर करे।"

अब पुराने नियम के महत्व के **दूसरे कारण** को देखते हैं -

 # दूसरा कारण

रोमियों (Romans) 15:4 "जितनी बातें पहले से लिखी गईं, वे हमारी ही शिक्षा के लिये लिखी गईं हैं कि हम धीरज और पवित्रशास्त्र के प्रोत्साहन के द्वारा आशा रखें।"

तो, हम देखते हैं कि पुराने नियम में जितनी भी बातें "...पहले से" लिखी गईं, वे **"हमारी"** यानि **कलीसिया** की शिक्षा, धीरज और प्रोत्साहन के लिए लिखी गयी हैं।

कोई पूछ सकता है, कैसे?

जैसे हम शारीरिक कमजोरियों और बीमारियों को देखते और महसूस करते हैं उसी तरह **आत्मिक कमजोरियाँ और बीमारियाँ भी हैं।**

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

जब किसी को **सर्दी** हो जाती है तो वह चंगा होने के लिए **"कोलडेक्ट"** या **"कोल्ड्रिन"** जैसी दवाइयों को खोजता है।

ज्वर होने पर क्रोसिन, नोवालजीन, आईमोल आदि दवाइयों हैं।

ये दवाइयाँ शारीरिक चंगाई देती हैं।

उसी तरह आत्मिक बीमारियां हैं जिन्हें **आत्मिक चंगाई** के लिए आत्मिक दवाइयों की जरूरत होती है।

आइये अब हम कुछ आत्मिक रूप से रोगग्रस्त स्थितियों को देखते हैं?

☞ **यदि किसी का विश्वास कमजोर या शिथिल पड़ जाये, तो क्या होता है?**

- इस स्थिति में लेने के लिए आत्मिक **दवा** है ➪ **अब्राहम**
- बस, परमेश्वर पर उनके महान विश्वास के बारे में पढ़ने से ही **उसी** परमेश्वर पर हमारा विश्वास बढ़ता है, क्योंकि अब्राहम परमेश्वर के वचनों के प्रति आज्ञापालन करने के लिए अपने **बहुत प्रिय** पुत्र को तीन लंबे दिन की यात्रा करके **होमबलि** चढ़ाने को तैयार थे! **उत्पत्ति (Genesis) 22:1-15**

☞ **जब अविश्वासियों के बीच संसार में रहते हुए किसी का जोश ठंडा पड़ जाता है, तब क्या होता है?**

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

- इस स्थिति में लेने के लिए आत्मिक **दवा** है ➪ **दानिय्येल**

- पहले **बेबीलोन निवासियों** के मध्य में और बाद में **मादे-फारसियों** के मध्य में दानिय्येल के अत्यधिक उत्साह के बारे में बस पढ़ने से ही, हमें आज उसी परमेश्वर के लिए **जोश** से भरा एक नया बल मिलता है, क्योंकि वे अविश्वासियों के बीच में अपने **परमेश्वर** को **स्वीकार** करने के लिए कभी भी न डरे और न ही संकोच किया!

जब जीवन की विभिन्न परेशानियों के कारण हम अपने धीरज को खो बैठते हैं और कुड़कुड़ाना और शिकायत करना शुरू कर देते हैं, तब क्या होता है?

- इस स्थिति में लेने के लिए आत्मिक **दवा** है ➪ **अय्यूब**

- बस अय्यूब के अनुभवों और पीड़ाओं, और उनकी बातों को अय्यूब 1:21 वचन में पढ़ कर ही -

अय्यूब (Job) 1:21 "मैं अपनी मां के पेट से नंगा निकला और वहीं नंगा लौट जाऊंगा; यहोवा ने दिया और यहोवा ही ने लिया; यहोवा का नाम धन्य है।"

और फिर से अय्यूब 2:9, 10 वचन में पढ़ते हैं -

अय्यूब (Job) 2:9, 10 "तब उसकी स्त्री उससे कहने लगी, "क्या तू अब भी अपनी खराई पर बना है? परमेश्वर की निन्दा कर, और चाहे मर जाए तो मर जा"। उसने उस से कहा, "तू एक मूढ़ स्त्री की सी बातें करती है, क्या हम जो परमेश्वर के हाथ से सुख लेते हैं, दु:ख न लें"? इन सब बातों में भी अय्यूब ने अपने मुंह से कोई पाप नहीं किया।"

...जी हाँ! हमारी **परेशानियाँ** और **समस्यायें** अय्यूब **की तुलना में कुछ भी नहीं हैं**! इतना ही नहीं, हमें उनके वफ़ादारी के शब्दों से **उसी** परमेश्वर पर आज **धैर्य** के लिए ताकत मिलती है।

और ऐसे ही आत्मिक दवाइयों की सूची बढ़ती जाती है.....

-- नुहा, मूसा, युसूफ, दाऊद, एलीजाह

- उनके सारे अनुभव और जीवन की कहानियां "हमें" (कलीसिया को) **आज** **प्रोत्साहन** और **सांत्वना** देती हैं।

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

अब हम पुराने नियम के महत्व के **तीसरे कारण** को देखते हैं -

 # तीसरा कारण

1 कुरिन्थियों (1 Corinthians) 10:11 “परन्तु यें सब बातें, जो उन पर पड़ी, दृष्टान्त की रीति पर थी; और वे हमारी चेतावनी के लिये जो जगत के अन्तिम समय में रहते हैं लिखी गईं हैं।”

इसका मतलब यह है कि वे सब बातें जो पुराने नियम के समय में घटी थीं, वे **“हमारे”** लिए यानी **कलीसिया** के लिए **“दृष्टान्त की रीती”** पर थीं!

“दृष्टान्त की रीती” क्या है?

"दृष्टान्त की रीती पर" का मतलब कहा जाये तो यह है कि लोगों के जीवन की कहानियों में किये गए **अभिनय का चित्रण** है और इस मामले में पुराने नियम के पात्रों के जीवन में घटी घटनाओं का **चित्रण**।

☞ **"दृष्टान्त की रीती" का सही मतलब क्या है?**

इसे अच्छे से समझने के लिए हम पुराने नियम से एक दृष्टान्त को लेकर उसका अध्ययन करते हैं -

हम उत्पत्ति (Genesis) 24:1-67 वचनों में दर्ज किये गए एक मामले का अध्ययन करेंगे -

उत्पत्ति (Genesis) 24:1-67 को पूरा पढ़ें।

यह एक कहानी है जिसमें अब्राहम अपने प्रिय पुत्र इसहाक के लिए एक **"दुल्हन"** ढूंढ़ने को अपने सेवक को भेजते हैं।

आइये अब हम इस कहानी को वचनों में पहले पढ़ते हैं -

आइये अब हम उत्पत्ति (Genesis) 24:1, 2 वचन पढ़ें -

उत्पत्ति (Genesis) 24:1, 2 “अब्राहम अब वृद्ध हो गया था और उसकी आयु बहुत थी और यहोवा ने सब बातों में उसको आशीष दी थी। अब्राहम ने अपने उस दास से, जो उसके घर में पुरनिया और उसकी सारी सम्पत्ति पर अधिकारी था, कहा, अपना हाथ मेरी जांघ के नीचे रख”

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

अब्राहम अपने "एकलौते" बेटे इसहाक के लिए एक दुल्हन खोजने के लिए अपने बुढ़ापे में योजना बनाता है।

इसके बाद हम उत्पत्ति (Genesis) 24:3, 4 वचनों में पढ़ते हैं -

उत्पत्ति (Genesis) 24:3, 4 “और मुझ से आकाश और पृथ्वी के परमेश्वर यहोवा की इस विषय में शपथ खा कि तू मेरे पुत्र के लिये कनानियों की लड़कियों में से, जिनके बीच मैं रहता हूं, किसी को न ले आएगा। परन्तु तू मेरे देश में मेरे ही कुटुम्बियों के पास जाकर मेरे पुत्र इसहाक के लिये एक पत्नी ले आएगा।”

वह अपने प्रमुख दास एलीएजेर

उत्पत्ति (Genesis) 15:2 “...और मेरे घर का वारिस यह दमिश्कीवासी एलीएजेर होगा, अतः तू मुझे क्या देगा?”

को एक शपथ के अंतर्गत ये निर्देश देता है कि वह "कनानियों की लड़कियों में से , जिनके बीच वो रहता है", उसके पुत्र के लिए दुल्हन न लाएगा, बल्कि "मेरे देश में मेरे ही कुटुम्बियों" के पास जायेगा जो की एक दूर देश को दर्शाता है।

इसके बाद हम क्या पढ़ते हैं?

उत्पत्ति (Genesis) 24:10 “तब वह दास अपने स्वामी के ऊंटो में से दस ऊंट छांटकर, उसके सब उत्तम--उत्तम पदार्थों में से कुछ कुछ लेकर चला; और मेसोपोटामिया में नाहोर के नगर के पास पहुंचा।’

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

एलीएजेर "सब उत्तम--उत्तम पदार्थों" से लदे दस ऊँटों को लेकर मेसोपोटामिया के नाहोर नगर तक जाने के लिए लम्बे सफर में निकल गया।

इसके बाद हम क्या पढ़ते हैं?

उत्पत्ति (Genesis) 24:11 “उसने ऊंटों को नगर के बाहर एक कुएं के पास बैठाया। वह संध्या का समय था, जिस समय स्त्रियां जल भरने के लिये निकलती हैं।”

जी हाँ! उसके सफर का अंत उसे संध्या के समय में एक कुएँ के पास लाता है, जिस समय स्त्रियाँ कुएँ से जल भरने के लिए निकलती हैं।

इसके बाद एलीएजेर प्रार्थना करना आरम्भ कर देता है जैसा की हम उत्पत्ति (Genesis) 24:12-14 वचनों में पढ़ते हैं -

उत्पत्ति (Genesis) 24:12-14 “वह कहने लगा, “हे मेरे स्वामी अब्राहम के परमेश्वर यहोवा, आज मेरे कार्य को सिद्ध कर, और मेरे स्वामी अब्राहम पर करूणा कर। देख, मैं जल के इस सोते के पास खड़ा हूं; और नगरवासियों की बेटियां जल भरने के लिये निकली आती हैं: इसलिए ऐसा होने दे कि जिस कन्या से मैं कहूं, ‘अपना घड़ा मेरी ओर झुका कि मैं पीऊं,’ और वह कहे, ‘ले, पी ले, पीछे मैं तेरे ऊंटो को भी पीलाऊंगी,’ यह वही हो जिसे तू ने अपने दास इसहाक के लिये ठहराया हो; इसी रीति मैं जान लूंगा कि तू ने मेरे स्वामी पर करूणा की है।”

जी हाँ! एलीएजेर अब्राहम के परमेश्वर से मार्गदर्शन के लिए प्रार्थना करता है और चुनी हुई लड़की की सटीक और सही पहचान के लिए परमेश्वर से एक "चिन्ह" का भी उल्लेख करता है -

☞ "और वह कहे, 'ले पी ले, पीछे मैं तेरे ऊँटों को भी पिलाऊँगी ... "

और फिर क्या ऐसा ही होता है ? आइये हम आगे पढ़ते जाएँ -

उत्पत्ति (Genesis) 24:15 “और ऐसा हुआ कि जब वह कह ही रहा था कि रिबेका, जो अब्राहम के भाई नाहोर के जन्माये मिल्का के पुत्र बतूएल की बेटी थी, वह कन्धे पर घड़ा लिये हुए आई।”

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

यहाँ तक की "जब वह कह ही रहा था", **रिबेका** कुएँ के पास जल लेने के लिये आती है। इसके बाद हम उत्पत्ति (Genesis) 24:16 वचन में पढ़ते हैं -

उत्पत्ति (Genesis) 24:16 "वह अति सुन्दर और कुँवारी थी, और किसी पुरूष का मुंह न देखा था। वह कुएं में सोते के पास उतर गई, और अपना घड़ा भर के फिर ऊपर आई।"

जी हाँ! वह अति सुन्दर और कुँवारी थी!

इसके बाद हम उत्पत्ति (Genesis) 24:17-19 वचन में पढ़ते हैं –

उत्पत्ति (Genesis) 24:17-19 "तब वह दास उससे भेंट करने को दौड़ा, और कहा, "अपने घड़े में से थोड़ा पानी मुझे पिला दे"। उसने कहा, "हे मेरे प्रभु, ले, पी ले", और उसने जल्दी से घड़ा उतारकर हाथ में लिये लिये उसको पिला दिया। जब वह उसको पिला चुकी, तक कहा, "मैं तेरे ऊंटों के लिये भी तब तक पानी भर भर लाऊंगी, जब तक वे पी न चुकें।"

जी हाँ! एलीएजेर उससे पीने के लिये पानी मांगता है और वह तुरंत यह कहते हुए दे देती है - "हे मेरे प्रभु, ले, पी ले"

और ऊँटों को देखकर उन्हें भी पानी भर के पिलाने का प्रस्ताव रखती है!

एलीएजेर ने सही लड़की की पहचान के लिए परमेश्वर से जो प्रार्थना की थी उसके "चिन्ह" की पूर्ति कितने पूरे और सही तरीके से हुई थी

इसके बाद हम उत्पत्ति (Genesis) 24:20-21 वचन में क्या पढ़ते हैं...

उत्पत्ति (Genesis) 24:20-21 "तब वह तुरन्त अपने घड़े का जल हौदे में उण्डेलकर फिर कुएं पर भरने को दौड़ गई, और उसके सब ऊंटों के लिये पानी भर दिया। वह पुरूष उसकी ओर चुपचाप अचम्भे के साथ ताकता हुआ यह सोचता था, कि यहोवा ने मेरी यात्रा को सफल किया है कि नहीं।"

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

उसने 10 ऊंटों के लिए पानी उपलब्ध कराने के "अत्यंत कठिन कार्य" को किया! **(प्रत्येक ऊंट के जरूरत की कल्पना कीजिए - सम्भवतः लगभग प्रत्येक के लिये 10 घड़े - कुल मिलाकर लगभग 100 घड़े!)**

और यह सब करते हुए एलीएजेर ने आश्चर्य के साथ उसे देखा और उसकी प्रार्थना की सुनवाई के लिये परमेश्वर को धन्यवाद किया! इसके बाद हम उत्पत्ति (Genesis) 24:22 वचन में पढ़ते हैं -

उत्पत्ति (Genesis) 24:22 “जब ऊंट पी चुके, तब उस पुरूष ने आध तोले सोना का एक नथ निकालकर उसको दिया, और दस तोले सोने के कंगन उसके हाथों में पहिना दिए;”

इसके बाद यह सब देखने के बाद एलीएजेर ने उसे उपहार दिये -

- अधा तोला "सोने का एक नथ" और
- दस तोले सोने के कंगन!

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

अब आप कल्पना कर सकते हैं कि इन भव्य उपहारों को प्राप्त करने पर रिबेका कितनी हैरान और आश्चर्यचकित हुई होगी!!

☞ और वो भी कुएँ पर और केवल दस ऊंटों को पानी पिलाने के लिए!

वह बहुत हैरान थी!

इसके बाद हम उत्पत्ति (Genesis) 24:23 वचन में पढ़ते हैं –

उत्पत्ति (Genesis) 24:23 "और पूछा, "तू किसकी बेटी है, यह मुझ को बता दे। क्या तेरे पिता के घर में हमारे टिकने के लिये स्थान है?"

जी हाँ! इसके बाद एलीएजेर ने उसकी पारिवारिक पृष्ठभूमि के बारे में तो पूछताछ की और पूछा कि क्या वह उसके घर में रुक सकता है और वह इसके उत्तर में कहती है -

उत्पत्ति (Genesis) 24:24 "उसने उत्तर दिया, "मैं तो नाहोर के जन्माए मिल्का के पुत्र बतूएल की बेटी हूं।'

☞ वो अब्राहम के ज्येष्ठ भाई नाहोर की पोती है!

और रिबेका उत्तर देती है -

उत्पत्ति (Genesis) 24:25 "फिर उसने उससे कहा, "हमारे यहां पुआल और चारा बहुत है, और टिकने के लिये स्थान भी है।"

उसके बाद वह उसे रात बिताने के लिए अपने घर आमंत्रित करती है और ऊंटों के लिए आश्रय और भोजन भी सुनिश्चित करती है..

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

उसे आमंत्रित करने पर, वह अपने परिवार को सूचित करने के लिए उत्साह में दौड़कर घर को जाती है, जैसा कि हम उत्पत्ति (Genesis) 24:28-31 वचनों में पढ़ते हैं –

उत्पत्ति (Genesis) 24:28-31 "तब उस कन्या ने दौड़कर अपनी माता के घर में यह सारा वृत्तान्त कह सुनाया। तब लाबान जो रिबका का भाई था, बाहर कुएं के निकट उस पुरूष के पास दौड़ा गया। और ऐसा हुआ कि जब उसने वह नथ और अपनी बहिन रिबका के हाथों में वे कंगन भी देखे, और उसकी यह बात भी सुनी कि उस पुरूष ने मुझ से ऐसी बातें कहीं; तब वह उस पुरूष के पास गया; और क्या देखा कि वह सोते के निकट ऊंटों के पास खड़ा है। उसने कहा, "हे यहोवा की ओर से धन्य पुरूष, भीतर आ। तू क्यों बाहर खड़ा है? मैं ने घर को, और ऊंटो के लिये भी स्थान तैयार किया है"।

तब <u>वह घर को दौड़ती है</u> और अपने पिता और बड़े भाई लाबान को सूचित करती है। बदले में वे एलीएजेर को अपने घर अमंत्रित करने को "दौड़ते" हैं।
क्योंकि ऐसा रोज नहीं होता कि कोई किसी से कुएँ पर इतना भव्य और <u>महँगा</u> उपहार पाता है!

फिर एलीएजेर अपनी पहचान और जिस प्रयोजन के लिए वह आया था उसका खुलासा करना शुरू करता है, जैसा कि हम उत्पत्ति (Genesis) 24:34 वचन में पढ़ते हैं –

उत्पत्ति (Genesis) 24:34 "तब उसने कहा, "मैं तो अब्राहम का दास हूं।'

जी हाँ ! एलीएजेर अपनी पहचान अब्राहम के दास के रूप में देता है और अपने सफर का पूरा वृतांत बताता है, जैसा कि हम उत्पत्ति (Genesis) 24:35-48 वचनों में पढ़ते हैं –

उत्पत्ति (Genesis) 24:35-48 "यहोवा ने मेरे स्वामी को बड़ी आशीष दी है, इसलिए वह महान पुरूष हो गया है; और उसने उसको भेड़-बकरी, गाय-बैल, सोना-रूपा, दास-दासियां, ऊंट और गदहे दिए हैं। और मेरे स्वामी की पत्नी सारा के बुढ़ापे में उससे एक पुत्र उत्पन्न हुआ है; और उस पुत्र को अब्राहम ने अपना सब कुछ दे दिया है। मेरे स्वामी ने मुझे यह शपथ खिलाई है, "मैं उसके पुत्र के लिये कनानियों की लड़कियों में से, जिनके देश में वह रहता है, कोई स्त्री नहीं लाऊंगा। मैं उसके पिता के घर और कुल के लोगों के पास जाकर उसके पुत्र के लिये एक स्त्री ले आऊंगा। तब मैं ने अपने स्वामी से कहा,

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

'कदाचित वह स्त्री मेरे पीछे न आए'। तब उसने मुझ से कहा, 'यहोवा, जिसके सामने मैं चलता आया हूं, वह तेरे संग अपने दूत को भेजकर तेरी यात्रा को सफल करेगा; और तू मेरे कुल, और मेरे पिता के घराने में से मेरे पुत्र के लिये एक स्त्री ला सकेगा। तू तब ही मेरी इस शपथ से छूटेगा, जब तू मेरे कुल के लोगों के पास पहुंचेगा; और यदि वे तुझे कोई स्त्री न दें, तो तू मेरी शपथ से छूटेगा। इसलिए मैं आज उस कुएं के निकट आकर कहने लगा, 'हे मेरे स्वामी अब्राहम के परमेश्वर यहोवा, यदि तू मेरी इस यात्रा को सफल करता हो; तो देख, मैं जल के इस कुएं के निकट खड़ा हूं; और ऐसा हो कि जो कुमारी जल भरने के लिये आए, और मैं उससे कहूं, "अपने घड़े में से मुझे थोड़ा पानी पिला," और वह मुझ से कहे, "पी ले, और मैं तेरे ऊंटो के पीने के लिये भी पानी भर दूंगी," वह वही स्त्री हो जिसको तू ने मेरे स्वामी के पुत्र के लिये ठहराया है। मैं मन ही मन यह कह ही रहा था कि देखो रिबका कन्धे पर घड़ा लिये हुए निकल आई; फिर वह सोते के पास उतरके भरने लगी। मैं ने उससे कहा, 'मुझे पिला दे'। और उसने जल्दी से अपने घड़े को कन्धे पर से उतारके कहा, 'ले, पी ले, पीछे मैं तेरे ऊंटों को भी पिलाऊंगी,' इस प्रकार मैं ने पी लिया, और उसने ऊंटों को भी पिला दिया। तब मैं ने उससे पूछा, 'तू किसकी बेटी है'? उसने कहा, 'मैं तो नाहोर के जन्माए मिल्का के पुत्र बतूएल की बेटी हूं,' तब मैं ने उसकी नाक में वह नथ और उसके हाथों में वे कंगन पहिना दिए। फिर मैं ने सिर झुकाकर यहोवा को दण्डवत किया, और अपने स्वामी अब्राहम के परमेश्वर यहोवा को धन्य कहा, क्योंकि उसने मुझे ठीक मार्ग से पहुंचाया कि मैं अपने स्वामी के पुत्र के लिये उसके कुटुम्बी की पुत्री को ले जाऊं।"

जी हाँ! वह अपने आने का प्रयोजन और उस दिन कुएँ पर हुए अपने अनुभवों के बारे में और कैसे परमेश्वर ने बड़ी दया से और चमत्कारपूर्ण ढंग से इसहाक के लिए नियुक्त की गई दुल्हन रिबेका को ढूंढने में उसकी अगुaaई की , ये <u>सब पुरे विस्तार से बताता</u> है , और अंत में एलीएजेर उनसे पूछता है–

उत्पत्ति (Genesis) 24:49 "इसलिए अब, यदि तू मेरे स्वामी के साथ कृपा और सच्चाई का व्यवहार करना चाहते हो, तो मुझसे कहो; और यदि नहीं चाहते हो, तौभी मुझसे कह दो; ताकि मैं दाहिनी ओर या बाईं ओर फिर जाऊं।"

वह बतूएल और लाबान से रिबका के "हाथ" के बारे में उनके निर्णय के बारे में पूछता है

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

"ताकि मैं दाहिनी ओर या बाईं ओर फिर जाऊं।"

यह स्वीकृति ("दाहिनी") या अस्वीकृति ("बाईं") का चिन्ह है और वे कहते हैं -

उत्पत्ति (Genesis) 24:50, 51 "तब लाबान और बतूएल ने उत्तर दिया, "यह बात यहोवा की ओर से हुई है; इसलिए हम लोग तुझ से न तो भला कह सकते हैं न बुरा । देख, रिबका तेरे सामने है, उसको ले जा, और वह यहोवा के वचन के अनुसार, तेरे स्वामी के पुत्र की पत्नी हो जाए।"

वे कहते हैं - यह बात यहोवा की और से हुई है .... देख रिबेका तेरे सामने है... , उसको ले जा..."

इसके बाद हम उत्पत्ति (Genesis) 24:53 वचन में पढ़ते हैं...

उत्पत्ति (Genesis) 24:53 "फिर उस दास ने सोने और रूपे के गहने, और वस्त्र निकालकर रिबका को दिए; और उसके भाई और माता को भी उसने अनमोल अनमोल वस्तुएं दी।"

एलीएजेर रिबेका को उपहार में "चांदी के और सोने के गहने और वस्त्र" देता है और उसके भाई और माता को भी "अनमोल वस्तुएँ" देता है।
क्या यह अजीब नहीं कि पहले चांदी के गहने दिए गए और उसके बाद **सोने** के गहने दिए गए?!

जी हाँ! यहाँ पर इसका कुछ महत्व जरूर होगा!

इसके बाद हम उत्पत्ति (Genesis) 24:54-56 वचन में पढ़ते हैं...

उत्पत्ति (Genesis) 24:54--56 "तब उसने अपने संगी जनों समेत भोजन किया, और रात वहीं बिताई। उसने तड़के उठकर कहा, "मुझ को अपने स्वामी के पास जाने के लिये विदा करो। रिबका के भाई और माता ने कहा, "कन्या को हमारे पास कुछ दिन, अर्थात कम से कम दस दिन और रहने दे; फिर उसके पश्चात वह चली जाएगी"। उसने उनसे कहा, "यहोवा ने जो मेरी यात्रा को सफल किया है, इसलिए तुम मुझे मत रोको, अब मुझे विदा कर दो कि मैं अपने स्वामी के पास जाऊं"।

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

वह रात उनके साथ बिताता है और (रिबेका के परिवार के सदस्य) उससे "कम से कम दस दिन" और रहने की विनती करते हैं लेकिन अगली सुबह एलीएजेर उनसे तुरंत विदा होने की अनुमति मांगता है।

वे लोग उसे ज्यादा दिन रहने के लिए राजी करने की कोशिश करते हैं,

☞ लेकिन जब एलीएजेर जाने के लिए जोर देता है तो वे रिबेका को बुलाकर उससे पूछते हैं -

उत्पत्ति (Genesis) 24:58 “और उन्होंने रिबका को बुलाकर उससे पूछा, “क्या तू इस मनुष्य के संग जाएगी?” उसने कहा, “हां मैं जाऊंगी।”

वे रिबेका से पूछते हैं और वह कहती है –

“मैं जाऊँगी”

रिबेका के विश्वास की जरा कल्पना करें - कि किसी के साथ **<u>जिसे वो पिछले चौबीस घंटों से भी नहीं जानती थी</u>**, वो जाने को तैयार थी!

वह सचमुच इस फैसले से अपने जीवन को खतरे में डाल रही थी!

इसके बाद हम उत्पत्ति (Genesis) 24:60 वचन में पढ़ते हैं...

उत्पत्ति (Genesis) 24:60 “और उन्होंने रिबका को आशीर्वाद दे के कहा, “हे हमारी बहिन, तू हजारों लाखों की आदिमाता हो, और तेरा वंश अपने बैरियों के नगरों का अधिकारी हो।”

जी हाँ! उसे एक विचित्र आशीष मिलती है -

"तू हजारों लाखों की आदिमाता हो"

बल्कि क्या यह अजीब नहीं!

उसके लिए सचमुच में इतने सारे बच्चे होना कैसे संभव है?

हम इस पाठ में बाद में इस वचन के महत्व को समझेंगे।

इसके बाद हम उत्पत्ति 24:61 वचन में पढ़ते हैं -

उत्पत्ति (Genesis) 24:61 “तब रिबका अपनी सहेलियों समेत चली, और ऊंट पर चढ़ के उस पुरूष के पीछे हो ली। इस प्रकार वह दास रिबका को साथ ले कर चल दिया।”

जी हाँ! अंततः रिबेका एलीएजेर और अपनी सहेलियों - उसकी मदद के लिए अन्य कुवारियों, के साथ चली जाती है।

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: <u>thekingdomgospel2874@gmail.com</u>
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

वे अब्राहम के देश -- कनान जाने के लिए लंबे सफर का आरम्भ करते हैं! आखिर में उस सफर के अंत में हम उत्पत्ति (Genesis) 24:63--67 वचनों में पढ़ते हैं -

उत्पत्ति (Genesis) 24:63-67 "सांझ के समय वह मैदान में ध्यान करने के लिये निकला था; और उसने आंखे उठाकर क्या देखा कि ऊंट चले आ रहे हैं। रिबका ने भी आंखे उठाकर इसहाक को देखा, और देखते ही ऊंट पर से उतर पड़ी। तब उसने दास से पूछा, "जो पुरूष मैदान पर हम से मिलने को चला आता है, सो कौन है?" दास ने कहा, "वह तो मेरा स्वामी है"। तब रिबका ने घूंघट लेकर अपने मुंह को ढ़ाप लिया। दास ने इसहाक से अपना सम्पूर्ण वृत्तान्त सुनाया। तब इसहाक रिबका को अपनी माता सारा के तम्बू में ले आया, और उसको ब्याह कर उससे प्रेम किया। इस प्रकार इसहाक को माता की मृत्यु के पश्चात शान्ति प्राप्त हुई॥"

जैसे वे अपने गंतव्य के निकट पहुंचे उन्होंने इसहाक को "**मैदान में**" ध्यान करते हुये देखा और जब रिबेका ने एलीएजेर से उसकी पहचान के बारे में पूछा तो उसने बताया कि - "वह तो मेरा स्वामी है"।
तब रिबेका ने घूंघट लेकर अपने मुंह को ढाप लिया और इस तरह वह इसहाक **से मिली** और उनकी शादी हो गयी और रिबेका इसहाक की **पत्नी** बन गयी।

यह बाईबल से वचनों का विवरण है जो कि **अब्राहम के जीवन में घटी सच्ची घटना** होने के अलावा एक **दृष्टान्त** और **छाया** है।

जी हाँ! यह वाकई में घटा गया एक उदाहरण है जो कि "हमारे" यानी

कलीसिया के लिए बहुत ही खास और महत्वपूर्ण है।

आइए अब हम उत्पत्ति के 24 वें अध्याय में इसहाक के विवाह का जो वर्णन है, इस **दृष्टांत** का क्या मतलब और अभिप्राय है इसे समझते हैं -
जैसे अब्राहम ने अपने "एकलौते" प्रिय पुत्र इसहाक की **दुल्हन** खोजने के लिए किसी को भेजा - ठीक वैसे ही हम देखते हैं की अभी के समय में एक **दुल्हन** को चुनने की एक **दूसरी** प्रक्रिया चल रही है!!

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

आइए हम 2 कुरिन्थियों (Corinthians) 11:2 वचन में पढ़ते हैं -

2 कुरिन्थियों (Corinthians) 11:2 “क्योंकि मैं तुम्हारे विषय मे ईश्वरीय धुन लगाए रहता हूं, इसलिये कि मैं ने एक ही पुरूष से तुम्हारी बात लगाई है कि तुम्हें पवित्र कुंवारी के समान मसीह को सौंप दूं।”

जी हाँ! यह यीशु के लिए "**दुल्हन**" का चुनाव है! वह **दुल्हन कलीसिया** है।

प्रकाशितवाक्य (Revelation) 19:7 “आओ, हम आनन्दित और मगन हों, और उसकी स्तुति करें, क्योंकि मेम्ने का विवाह आ पहुंचा है, और उसकी दुल्हिन ने अपने आप को तैयार कर लिया है।”

और अभी उस "दुल्हन" यानि **कलीसिया** के सदस्यों के **चुनाव की प्रक्रिया** चल रही है।

और इस दृष्टांत और छाया के द्वारा हम मसीह की दुल्हन यानी कलीसिया के चुनाव के विषय को ज्यादा स्पष्टता और गहराई से समझेंगे!

आइए अब हम इस दृष्टान्त के विभिन्न **छायाओं (TYPES)** को देखें -

अब्राहम ➪ यह परमेश्वर पिता की **छाया** को दर्शाता है जिसकी पुष्टि उसकी **<u>अपने एकलौते पुत्र</u>** इसहाक को बलिदान करने की इच्छा के द्वारा होती है, बिल्कुल वैसे ही जैसे पिता परमेश्वर ने संसार के उद्धार के लिए अपने "एकलौते पुत्र" प्रभु यीशु को बलिदान कर दिया **(यूहन्ना (John) 3:16)।**

इसहाक ➪ यह पिता के एकलौते पुत्र यीशु के चित्र को दर्शाता है **(यूहन्ना 1:18)।**

एलीएजेर ➪ **यह किसको दर्शाता है?**

जैसे एलीएजेर अब्राहम का **प्रधान दास** था - उसी तरह परमेश्वर के पास भी उनके सब कार्यों में एक प्रधान दास है!

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: <u>thekingdomgospel2874@gmail.com</u>
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

जैसे दास **कभी भी** अपने से नहीं बोलता वैसा ही परमेश्वर के इस प्रधान दास के साथ भी है, जिसके बारे में हम यूहन्ना (John) 16:13 वचन में देखते हैं -

यूहन्ना (John) 16:13 "परन्तु जब वह अर्थात सत्य का आत्मा आएगा, तो तुम्हें सब सत्य का मार्ग बताएगा, क्योंकि वह अपनी ओर से न कहेगा परन्तु जो कुछ सुनेगा वही कहेगा, और आनेवाली बातें तुम्हें बताएगा।"

जी हाँ! यह **पवित्र आत्मा** की **दिव्य** शक्ति के माध्यम से है कि अभी कलीसिया के वर्ग का चुनाव हो रहा है जैसा कि हम लूका (Luke) 24:49 वचन में पढ़ते हैं -

लूका (Luke) 24:49 "और देखो, जिसकी प्रतिज्ञा मेरे पिता ने की है, मैं उसको तुम पर उतारूंगा और जब तक स्वर्ग से सामर्थ न पाओ, तब तक तुम इसी नगर में ठहरे रहो॥"

☞ जी हाँ! एलीएजेर **पिता की पवित्र आत्मा** का चित्रण करता है।

और इसके बाद हम उत्पत्ति (Genesis) 24:3 वचन में पढ़ते हैं-

उत्पत्ति (Genesis) 24:3 "और मुझ से आकाश और पृथ्वी के परमेश्वर यहोवा की इस विषय में शपथ खा कि तू मेरे पुत्र के लिये कनानियों की लड़कियों में से, जिनके बीच मैं रहता हूं, किसी को न ले आएगा।

यह परमेश्वर के निर्णय को दर्शाता है कि वे अपने पुत्र के लिए **दुल्हन** का चुनाव स्वर्ग के **स्वर्गदूतों** में से "जिनके बीच में वे रहते हैं" **नहीं** करेंगे।

☞ चुनाव की शर्तें बहुत **विशिष्ट** थीं!

आइए अब हम उत्पत्ति (Genesis) 24:4 वचन में पढ़ते हैं-

उत्पत्ति (Genesis) 24:4 "परन्तु तू मेरे देश में मेरे ही कुटुम्बियों के पास जाकर मेरे पुत्र इसहाक के लिये एक पत्नी ले आएगा।"

जी हाँ! यह स्वर्ग से एक **दूर देश** यानि **पृथ्वी** को दर्शाता है!

जी हाँ! परमेश्वर ने अपने पुत्र की "दुल्हन" का चुनाव **केवल** **मानवजाति** में से करने का निर्णय लिया!!

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

इसके बाद हम उत्पत्ति (Genesis) 24:10 वचन में पढ़ते हैं -

उत्पत्ति (Genesis) 24:10 "तब वह दास अपने स्वामी के ऊंटो में से दस ऊंट छांटकर, उसके सब उत्तम--उत्तम पदार्थों में से कुछ कुछ लेकर चला; और मेसोपोटामिया में नाहोर के नगर के पास पहुंचा।"

जी हाँ! एलीएजेर **दस ऊँटों** को लेता है।

वह क्या दर्शाता है?

यह परमेश्वर के वचन को दर्शाता है और विशेषकर **दस महान सच्चाइयों** को, जिन्हें **लूका (Luke) 15:8** के "दस चांदी के सिक्कों" के दृष्टान्त में दिखलाया गया है। पवित्र आत्मा इन सच्चाइयों को "**लेकर आती है**" और उन्हें कलीसिया के सामने प्रकट करती है "वह तुम्हें सब सत्य का मार्ग बताएगा ..." **यूहन्ना (John) 16:13** ।

जी हाँ! **दस मुख्य सच्चाइयाँ** हैं जिसे **हम # 46 पाठ** में पढ़ेंगे।

फिर हम क्या पढ़ते हैं? आइए उत्पत्ति (Genesis) 24:11 वचन में पढ़ें -

उत्पत्ति (Genesis) 24:11 "उसने ऊंटों को नगर के बाहर एक कुएं के पास बैठाया। वह संध्या का समय था, जिस समय स्त्रियां जल भरने के लिये निकलती हैं।"

यह क्या दर्शाता है?

यह "**जीवन के जल**" के "कुएँ" यानि **बाइबल** का चित्र है!

"...जिस समय स्त्रियां जल भरने के लिये निकलती हैं..."।

यह "जीवन के जल" के लिए परमेश्वर के वचन को **ढूँढ़ने** और खोजनेवालों को दर्शाता है -- विभिन्न चर्चों के ईसाइयों को।

यूहन्ना (John) 4:10 ➔ "...तू उससे मांगती, और वह तुझे जीवन का जल देता"

रिबेका ⇨ यह यीशु की होनेवाली "दुल्हन" यानि **कलीसिया** के समूह को दर्शाती है। उसका "अति सुंदर" और **"कुँवारी"** होना, दुल्हन श्रेणी के **चरित्र** और परमेश्वर के वचन की **खरी सच्चाई** के प्रति उनकी **विश्वसनीयता** को दर्शाता है।

फिर हम उत्पत्ति (Genesis) 24:19-21 वचनों में पढ़ते हैं -

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

उत्पत्ति (Genesis) 24:19-21 “जब वह उसको पिला चुकी, तक कहा, “मैं तेरे ऊंटों के लिये भी तब तक पानी भर भर लाऊंगी, जब तक वे पी न चुकें। तब वह तुरन्त अपने घड़े का जल हौदे में उण्डेलकर फिर कुएं पर भरने को दौड़ गई, और उसके सब ऊंटों के लिये पानी भर दिया। वह पुरूष उसकी ओर चुपचाप अचम्भे के साथ ताकता हुआ यह सोचता था, कि यहोवा ने मेरी यात्रा को सफल किया है कि नहीं।”

यह क्या दर्शाता है?

यह प्रभु की और सच्चाई की **सेवा** करने में दुल्हन श्रेणी के **न थकनेवाले उत्साह** और **जोश** को दर्शाता है...

और फिर हम उत्पत्ति (Genesis) 24:22 वचन में पढ़ते हैं –

उत्पत्ति (Genesis) 24:22 “जब ऊंट पी चुके, तब उस पुरूष ने आध तोले सोना का एक नथ निकालकर उसको दिया, और दस तोले सोने के कंगन उसके हाथों में पहिना दिए;”

यह क्या दर्शाता है? **ये अनमोल उपहार हैं!!**

यह ये दर्शाता है कि **पवित्र आत्मा** (एलीएजेर) के द्वारा "दुल्हन" श्रेणी इन "सोने" के उपहारों या **दिव्य** उपहारों को पाती है।

(सोना दिव्य को दर्शाता है जैसा कि तम्बू में "पवित्र" और "अति पवित्र" स्थानों में रखी हुई वस्तुएँ सोने की हैं।)

“सोने का नथ” (अंग्रेजी बाइबल में कान की बाली बताया गया है) -> यह **"समझ के कानों"** से **"सुनने"** को दर्शाता है - जिसे पिता के द्वारा उनकी दिव्य शक्ति के माध्यम से खोला जाता है।

यीशु के वचनों को याद करें - "जिस के सुनने के कान हों, वह सुन ले!" (मत्ती 11:15)

उनके बोलने का मतलब अवश्य यह रहा होगा कि -

“जिस किसी ने भी पवित्र आत्मा से कान की बलियाँ पाई हैं**,** वह सुन ले!!”

“सोने के कंगन” ⇨ यह दिव्य प्राधिकार के द्वारा परमेश्वर की **सेवा** के लिए काम करने के **अवसरों** को दर्शाता है - क्योंकि हाथ काम या सेवा को दर्शाते हैं।

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

तो फिर हम पढ़ते हैं कि **रिबेका के शादी के प्रस्ताव की स्वीकृति के बाद** वह और अधिक उपहार प्राप्त करती है, जैसा कि हम उत्पत्ति (Genesis) 24:53 वचन में पढ़ते हैं -

उत्पत्ति (Genesis) 24:53 “फिर उस दास ने सोने और रूपे के गहने, और वस्त्र निकालकर रिबका को दिए; और उसके भाई और माता को भी उसने अनमोल अनमोल वस्तुएं दी।”

रिबेका को मिले ये उपहार **भावी "दुल्हन"** की श्रेणी को उनके मसीही विश्वास और वचन के ज्ञान में **बढ़ने** के बाद परमेश्वर से मिले उपहारों को दर्शाते हैं -

[“चांदी या रुपे के गहने”]

यह परमेश्वर के बहुमूल्य **सत्य** का चित्र है जिसे चांदी से दर्शाया जाता है, जिसके बारे में हम भजन-संहिता (Psalms) 12:6 वचन में पढ़ते हैं -

भजन-संहिता (Psalms) 12:6 “परमेश्वर का वचन पवित्र है, उस चान्दि के समान जो भट्टी में मिट्टी पर ताई गई, और सात बार निर्मल की गई हो॥”

जी हाँ! पवित्रशास्त्र के वचन खुल जाते हैं और परमेश्वर के दिव्य योजना की सच्चाई को समझाया जाता है। यह पहला उपहार है जो "दुल्हन" पाती है!

[“सोने के गहने”]

यह "**दिव्य स्वभाव** का समभागी" बनने के लिए मिली "बहुत बड़ी और बहुमूल्य **प्रतिज्ञाओं**" को दर्शाता है, जैसा कि हम 2 पतरस (2 Peter) 1:4 वचन में देखते हैं -

2 पतरस (2 Peter) 1:4 “जिनके द्वारा उसने हमें बहुमूल्य और बहुत ही बड़ी प्रतिज्ञाएं दी हैं: ताकि इनके द्वारा तुम उस सड़ाहट से छूटकर जो संसार में बुरी अभिलाषाओं से होती है, ईश्वरीय स्वभाव के समभागी हो जाओ।”

जी हाँ! यह "सोना" बहुत बड़े **स्वर्गीय उद्धार** के प्रति **न्योते** को दर्शाता है जिसे अभी "कलीसिया" की श्रेणी को दिया जा रहा है और इसके बारे में विस्तार से हम भविष्य के पाठों में पढ़ेंगे **(पाठ # 17, 18, 19)!!**

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

[“वस्त्र”]

यह "धार्मिकता की **चद्दर**" को दर्शाता है जो पापों को ढक देती है **और** अभी के समय में "स्वर्गीय अनुग्रह के सिंहासन" तक पहुँचने का अधिकार मिल जाता है और इसके द्वारा किसी को "धर्मी" भी ठहराया जाता है , जैसा की हम यशायाह (Isaiah) 61:10 वचन में पढ़ते हैं -

यशायाह (Isaiah) 61:10 “मैं यहोवा के कारण अति आनन्दित होऊंगा, मेरा प्राण परमेश्वर के कारण मगन रहेगा; क्योंकि उसने मुझे उद्धार के वस्त्र पहिनाए, और धर्म की चद्दर ऐसे ओढ़ा दी है जैसे दूल्हा फूलों की माला से अपने आपको सजाता और दुल्हिन अपने गहनों से अपना सिंगार करती है।”

जी हाँ! “**वस्त्र**” परमेश्वर के **धर्मी ठहराए जाने** के अनुग्रह को और कलवारी के क्रूस पर यीशु के **छुड़ौती** के बलिदान के लहू के द्वारा पापों के ढके जाने को दर्शाता है।

इस प्रकार से कलीसिया ये सारे आत्मिक उपहारों को पवित्र आत्मा के द्वारा पाती है जो यहाँ छाया में ऐलिएजर है।

इसके बाद हम क्या पढ़ते हैं ....

उत्पत्ति (Genesis) 24:58 “और उन्होंने रिबका को बुलाकर उससे पूछा, “क्या तू इस मनुष्य के संग जाएगी?” उसने कहा, “हां मैं जाऊंगी।”

यह **कलीसिया** की श्रेणी का यीशु मसीह के ऊपर **"विश्वास"** और **"भरोसे"** को और किसी भी कीमत पर उनके पदचिन्हों के **पीछे** चलने के लिए तत्परता को दर्शाता है!

जी हाँ ! तुम उससे "बिन देखे प्रेम रखते हो" **(1 पतरस (1 Peter) 1:8)**

जैसे रिबेका जिसको बहुत कम जानती थी उसके पीछे जाने में अपने जीवन को **खतरे** में डालती हुई प्रतीत होती है ठीक वैसे ही कलीसिया भी अपने बाकी के जीवन को "खतरे" में डालते हुए प्रतीत होती है क्योंकि वो इसे किसी ऐसे के पीछे समर्पित करती है जिसे वो इस मतलब से **नहीं जानती** कि उन्होंने **प्रभु को शारीरिक रूप से नहीं देखा है!**

और फिर हम एक विचित्र आशीष के बारे में पढ़ते हैं -

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

उत्पत्ति (Genesis) 24:60 “और उन्होंने रिबका को आशीर्वाद दे के कहा, “हे हमारी बहिन, तू हजारों लाखों की आदिमाता हो, और तेरा वंश अपने बैरियों के नगरों का अधिकारी हो।”

यह **आशीष** बहुत विचित्र है! इसका मतलब क्या है? एक स्त्री के इतने बच्चे कैसे हो सकते हैं?

जरा कल्पना करें !

इस आशीष के महत्व को हम तभी समझ सकते हैं जब हम यह जानेंगे कि रिबेका किसकी छाया है -

वह **कलीसिया** को दर्शाती है, जैसा की हम पहले ही देख चुके हैं उसे प्रभु के साथ मेम्ने की **"दुल्हन"** की महिमा मिलेगी - **(प्रकाशितवाक्य (Revelation) 22:17)**

लेकिन यहाँ और भी है!

उसे "दूसरे आदम" के साथ **दूसरी हव्वा** बनना है **(1 कुरिन्थियों (Corinthians) 15:45)**

और यीशु और कलीसिया **एक साथ** मिलकर **पुनरुत्थान** में पुरे संसार को जीवन और आशीषें देंगें, जैसा कि हम एक वचन में पढ़ते हैं -

प्रकाशितवाक्य (Revelation) 22:17 “आत्मा और दुल्हिन दोनों कहती हैं, “आ!” और सुननेवाला भी कहे, “आ!” जो प्यासा हो वह आए, और जो कोई चाहे वह जीवन का जल सेंतमेंत ले॥”

जी हाँ! पूरी मानवजाति की दुनिया - **<u>उनकी संख्या हजारों लाखों में होगी</u>** - **<u>"तू हजारों लाखों की आदिमाता हो"</u>** !!

हम फिर से देखते हैं की **नीतिवचन के 31 वें अध्याय** में ये दर्शाया गया है जहाँ **10-31** वचनों में एक “आदर्श पत्नी” के बारे में बताया गया है कि चिन्ह की भाषा में मसीह की दुल्हन का प्रतीक है - **"दुल्हन श्रेणी"** लोग और 28 वें वचन में हम पढ़ते हैं -

"उसके पुत्र <u>उठ उठकर</u> उसको धन्य कहते हैं"

जी हाँ! यह मानवजाति की दुनिया को दर्शाता है जो कलीसिया और यीशु के **"बच्चे"** बनने के लिए पुनरुत्थान में **"उठेगी"** और उनकी संख्या **"हजारों लाखों में"** होगी !

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: <u>thekingdomgospel2874@gmail.com</u>
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

इसके बाद हम क्या पढ़ते हैं ....

उत्पत्ति (Genesis) 24:61 “तब रिबका अपनी सहेलियों समेत चली, और ऊंट पर चढ़ के उस पुरूष के पीछे हो ली। इस प्रकार वह दास रिबका को साथ ले कर चल दिया।”

जी हाँ! घर वापस जाने की यात्रा!

यह क्या दर्शाता है?

रिबेका की एलीएजेर के साथ की यात्रा, कलीसिया के "पृथ्वी की यात्रा" के **समय की अवधी** को दर्शाती है - इस **सुसमाचार के युग** की अवधि में।

जी हाँ! स्वर्गीय कनान की ओर यात्रा!

और फिर हम अंत में उत्पत्ति (Genesis) 24:62-67 वचनों में पढ़ते हैं...

उत्पत्ति (Genesis) 24:62-67 “इसहाक जो दक्खिन देश में रहता था, लहैरोई नामक कुएं से होकर चला आता था। सांझ के समय वह मैदान में ध्यान करने के लिये निकला था; और उसने आंखे उठाकर क्या देखा कि ऊंट चले आ रहे हैं। रिबका ने भी आंखे उठाकर इसहाक को देखा, और देखते ही ऊंट पर से उतर पड़ी। तब उसने दास से पूछा, “जो पुरूष मैदान पर हम से मिलने को चला आता है, सो कौन है?” दास ने कहा, “वह तो मेरा स्वामी है”। तब रिबका ने घूंघट लेकर अपने मुंह को ढ़ाप लिया। दास ने इसहाक

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

से अपना सम्पूर्ण वृत्तान्त सुनाया। तब इसहाक रिबका को अपनी माता सारा के तम्बू में ले आया, और उसको ब्याह कर उससे प्रेम किया। इस प्रकार इसहाक को माता की मृत्यु के पश्चात शान्ति प्राप्त हुई॥"

यह सुसमाचार युग के **अंत** को और हमारे प्रभु यीशु मसीह के दूसरे आगमन को दर्शाता है और उस क्षण को दर्शाता है जब कलीसिया **"अपने प्रभु"** से उनके दूसरे आगमन के **बाद पहले** पुनरुत्थान में मिलेगी, जो कि "मसीह में जो मरे हैं" उनका पुनरुत्थान कहलाता है। **(1 थिस्सलुनीकियों (1 Thessalonians) 4:16)**

इस विषय के बारे में गहराई से हम भविष्य के पाठों में पढ़ेंगे।

यहाँ **<u>हमारा सुझाव</u>** है कि इसहाक ने अवश्य रिबेका के घूँघट को उसकी सुंदरता को देखने के लिए उठाया होगा जैसा कि कोई भी दूल्हा अपनी नई दुल्हन के प्रति करेगा।

ये यह दर्शाता है कि प्रभु भी अपनी दुल्हन में **सुंदरता** को खोजते हैं!
लेकिन यीशु किस प्रकार की सुंदरता को खोजते हैं? इसके बारे में हम 1 पतरस (1Peter) 3:3, 4 वचनों में पढ़ते हैं -

1 पतरस (1Peter) 3:3, 4 "तुम्हारा सिंगार दिखावटी न हो, अर्थात बाल गूँथना, और सोने के गहने, या भांति भांति के कपड़े पहिनना, वरन तुम्हारा छिपा हुआ और गुप्त मनुष्यत्व, नम्रता और मन की दीनता की अविनाशी सजावट से सुसज्ज़ित रहे, क्योंकि परमेश्वर की दृष्टि में इसका मूल्य बड़ा है।"
जी हाँ! यही वो सुंदरता है जिसे प्रभु खोजते हैं - **पवित्रता** और **शुद्धता जिसकी प्राप्ति** और उन्नति बहुत से दुःख उठाकर और स्वयं से इंकार करके होती है।

और इस रीती से वह यानि कलीसिया "सदा प्रभु के साथ रहेगी" **(1 थिस्सलुनीकियों (1 Thessaloians) 4:17)**
जी हाँ! जिस रीती से इसहाक और रिबेका की प्रेम कहानी का अंत उनके विवाह के साथ अंत हुआ -- वैसे ही हम देखते हैं कि यीशु और कलीसिया की प्रेम कहानी का अंत भी **मेम्ने के भव्य विवाह में होगा!**

इस प्रकार हमने पुराने नियम के एक "दृष्टान्त की रीती" और "छाया" को देखा है जो "हमें" इतनी महान दिव्य सच्चाइयों को दर्शाता और सिखाता है।

और इसी तरीके से पुराने नियम के वचनों में और भी **बहुत** सी ऐसी **छाया** और **दृष्टान्त** की रीतियाँ हैं, उदाहरण के लिए -

☞ **इसराइल** और उसके गुलामी के बंधन और एक मध्यस्थ के रूप में **मूसा** के माध्यम से मिस्र से उद्धार और कनान के लिए उनकी निर्गमन की यात्रा।

☞ प्रभु और उनकी कलीसिया के बीच के सम्बन्ध को दिखाते हुए राजा सुलैमान के **श्रेष्ठगीत** ।

☞ **तम्बू** और इसके बलिदानों का महत्व **(इब्रानियों 9:9, 10)** ।

☞ **व्यवस्था** और इसकी विशेषताएं जैसे कि फसह, जुबली .... और कई और अधिक इसी प्रकार के आत्मिक सत्य के **गहने** पवित्रशास्त्र के पुराने नियम में संचित हैं - जिनके बारे में हम आनेवाले पाठों में धीरे धीरे पढ़ेंगे ।

--आमीन--

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail: thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com

For more studies on other subjects Contact: Christ Kingdom E-mail:
thekingdomgospel2874@gmail.com
E-mail: thekingdom1_6@yahoo.com